Mamta Rani

Guest Assistant Professor

S. N. S. R. K. S. College, Saharsa

Deptt. Of history

BA part -3

**मोहनदास करमचन्द गांधी** (जन्म: [2](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A5%A8) अक्टूबर [1869](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A5%A7%E0%A5%AE%E0%A5%AC%E0%A5%AF) - निधन: [30 जनवरी](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/30_%E0%A4%9C%E0%A4%A8%E0%A4%B5%E0%A4%B0%E0%A5%80) [1948](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A5%A7%E0%A5%AF%E0%A5%AA%E0%A5%AE)) जिन्हें **महात्मा गांधी** के नाम से भी जाना जाता है[[20]](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%AE%E0%A4%B9%E0%A4%BE%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%AE%E0%A4%BE_%E0%A4%97%E0%A4%BE%E0%A4%82%E0%A4%A7%E0%A5%80" \l "cite_note-20), [भारत](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%AD%E0%A4%BE%E0%A4%B0%E0%A4%A4" \o "भारत) एवं [भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%AD%E0%A4%BE%E0%A4%B0%E0%A4%A4%E0%A5%80%E0%A4%AF_%E0%A4%B8%E0%A5%8D%E0%A4%B5%E0%A4%A4%E0%A4%A8%E0%A5%8D%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%A4%E0%A4%BE_%E0%A4%B8%E0%A4%82%E0%A4%97%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%BE%E0%A4%AE" \o "भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम) के एक प्रमुख राजनैतिक एवं आध्यात्मिक नेता थे। वे *[सत्याग्रह](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%B8%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%AF%E0%A4%BE%E0%A4%97%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%B9" \o "सत्याग्रह)* (व्यापक सविनय अवज्ञा) के माध्यम से [अत्याचार](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%85%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%AF%E0%A4%BE%E0%A4%9A%E0%A4%BE%E0%A4%B0" \o "अत्याचार) के प्रतिकार के अग्रणी नेता थे, उनकी इस अवधारणा की नींव सम्पूर्ण [अहिंसा](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%85%E0%A4%B9%E0%A4%BF%E0%A4%82%E0%A4%B8%E0%A4%BE" \o "अहिंसा) के सिद्धान्त पर रखी गयी थी जिसने भारत को [भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%AD%E0%A4%BE%E0%A4%B0%E0%A4%A4%E0%A5%80%E0%A4%AF_%E0%A4%B8%E0%A5%8D%E0%A4%B5%E0%A4%A4%E0%A4%A8%E0%A5%8D%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%A4%E0%A4%BE_%E0%A4%B8%E0%A4%82%E0%A4%97%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%BE%E0%A4%AE" \o "भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम) दिलाकर पूरी दुनिया में जनता के नागरिक अधिकारों एवं स्वतन्त्रता के प्रति आन्दोलन के लिये प्रेरित किया। उन्हें दुनिया में आम जनता **महात्मा गांधी** के नाम से जानती है। [संस्कृत भाषा](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%B8%E0%A4%82%E0%A4%B8%E0%A5%8D%E0%A4%95%E0%A5%83%E0%A4%A4_%E0%A4%AD%E0%A4%BE%E0%A4%B7%E0%A4%BE" \o "संस्कृत भाषा) में महात्मा अथवा महान आत्मा एक [सम्मान सूचक](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%B8%E0%A4%AE%E0%A5%8D%E0%A4%AE%E0%A4%BE%E0%A4%A8" \o "सम्मान) शब्द है। **गांधी** को [महात्मा](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%AE%E0%A4%B9%E0%A4%BE%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%AE%E0%A4%BE" \o "महात्मा) के नाम से सबसे पहले [1915](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A5%A7%E0%A5%AF%E0%A5%A7%E0%A5%AB) में राजवैद्य जीवराम कालिदास ने संबोधित किया था। एक अन्य मत के अनुसार स्वामी श्रद्धानन्द ने [1915](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A5%A7%E0%A5%AF%E0%A5%A7%E0%A5%AB) मे महात्मा की उपाधि दी थी, तीसरा मत ये है कि गुरु रविंद्रनाथ टैगोर ने महात्मा की उपाधि प्रदान की थी। 12 अप्रैल [1919](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A5%A7%E0%A5%AF%E0%A5%A7%E0%A5%AF) को अपने एक लेख मे | [[21]](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%AE%E0%A4%B9%E0%A4%BE%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%AE%E0%A4%BE_%E0%A4%97%E0%A4%BE%E0%A4%82%E0%A4%A7%E0%A5%80#cite_note-%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%BE%E0%A4%A8%E0%A5%8D%E0%A4%A4-21)। उन्हें *बापू* ([गुजराती भाषा](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%97%E0%A5%81%E0%A4%9C%E0%A4%B0%E0%A4%BE%E0%A4%A4%E0%A5%80_%E0%A4%AD%E0%A4%BE%E0%A4%B7%E0%A4%BE" \o "गुजराती भाषा) में બાપુ बापू यानी पिता) के नाम से भी स्मरण किया जाता है। एक मत के अनुसार गांधीजी को बापू सम्बोधित करने वाले प्रथम व्यक्ति उनके साबरमती आश्रम के शिष्य थे [सुभाष चन्द्र बोस](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%B8%E0%A5%81%E0%A4%AD%E0%A4%BE%E0%A4%B7_%E0%A4%9A%E0%A4%A8%E0%A5%8D%E0%A4%A6%E0%A5%8D%E0%A4%B0_%E0%A4%AC%E0%A5%8B%E0%A4%B8" \o "सुभाष चन्द्र बोस) ने [6](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A5%AC) जुलाई [1944](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A5%A7%E0%A5%AF%E0%A5%AA%E0%A5%AA) को [रंगून](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%B0%E0%A4%82%E0%A4%97%E0%A5%82%E0%A4%A8" \o "रंगून) रेडियो से गांधी जी के नाम जारी प्रसारण में उन्हें [राष्ट्रपिता](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%B0%E0%A4%BE%E0%A4%B7%E0%A5%8D%E0%A4%9F%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%AA%E0%A4%BF%E0%A4%A4%E0%A4%BE" \o "राष्ट्रपिता) कहकर सम्बोधित करते हुए [आज़ाद हिन्द फौज](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%86%E0%A4%9C%E0%A4%BC%E0%A4%BE%E0%A4%A6_%E0%A4%B9%E0%A4%BF%E0%A4%A8%E0%A5%8D%E0%A4%A6_%E0%A4%AB%E0%A4%BC%E0%A5%8C%E0%A4%9C" \o "आज़ाद हिन्द फ़ौज) के सैनिकों के लिये उनका आशीर्वाद और शुभकामनाएँ माँगीं थीं।[[22]](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%AE%E0%A4%B9%E0%A4%BE%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%AE%E0%A4%BE_%E0%A4%97%E0%A4%BE%E0%A4%82%E0%A4%A7%E0%A5%80#cite_note-22) प्रति वर्ष [2 अक्टूबर](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A5%A8_%E0%A4%85%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%9F%E0%A5%82%E0%A4%AC%E0%A4%B0) को उनका जन्म दिन भारत में [गांधी जयन्ती](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%97%E0%A4%BE%E0%A4%82%E0%A4%A7%E0%A5%80_%E0%A4%9C%E0%A4%AF%E0%A4%82%E0%A4%A4%E0%A5%80" \o "गांधी जयंती) के रूप में और पूरे विश्व में [अन्तरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%85%E0%A4%82%E0%A4%A4%E0%A4%B0%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%BE%E0%A4%B7%E0%A5%8D%E0%A4%9F%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A5%80%E0%A4%AF_%E0%A4%85%E0%A4%82%E0%A4%B9%E0%A4%BF%E0%A4%B8%E0%A4%BE_%E0%A4%A6%E0%A4%BF%E0%A4%B5%E0%A4%B8" \o "अंतर्राष्ट्रीय अंहिसा दिवस) के रूप में मनाया जाता है।सबसे पहले गान्धी जी ने प्रवासी वकील के रूप में [दक्षिण अफ्रीका](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%A6%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%B7%E0%A4%BF%E0%A4%A3_%E0%A4%85%E0%A4%AB%E0%A4%BC%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A5%80%E0%A4%95%E0%A4%BE" \o "दक्षिण अफ़्रीका) में भारतीय समुदाय के लोगों के नागरिक अधिकारों के लिये संघर्ष हेतु सत्याग्रह करना आरम्भ किया। [1915](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A5%A7%E0%A5%AF%E0%A5%A7%E0%A5%AB) में उनकी भारत वापसी हुई।[[23]](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%AE%E0%A4%B9%E0%A4%BE%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%AE%E0%A4%BE_%E0%A4%97%E0%A4%BE%E0%A4%82%E0%A4%A7%E0%A5%80#cite_note-23) उसके बाद उन्होंने यहाँ के किसानों, श्रमिकों और नगरीय श्रमिकों को अत्यधिक भूमि कर और भेदभाव के विरुद्ध आवाज उठाने के लिये एकजुट किया। [1921](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A5%A7%E0%A5%AF%E0%A5%A8%E0%A5%A7) में [भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%AD%E0%A4%BE%E0%A4%B0%E0%A4%A4%E0%A5%80%E0%A4%AF_%E0%A4%B0%E0%A4%BE%E0%A4%B7%E0%A5%8D%E0%A4%9F%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A5%80%E0%A4%AF_%E0%A4%95%E0%A4%BE%E0%A4%82%E0%A4%97%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A5%87%E0%A4%B8" \o "भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस) की बागडोर संभालने के बाद उन्होंने देशभर में दरिद्रता से मुक्ति दिलाने, महिलाओं के अधिकारों का विस्तार, धार्मिक एवं जातीय एकता का निर्माण व आत्मनिर्भरता के लिये [अस्पृश्‍यता](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%A6%E0%A4%B2%E0%A4%BF%E0%A4%A4" \o "दलित) के विरोध में अनेकों कार्यक्रम चलाये। इन सबमें विदेशी राज से मुक्ति दिलाने वाला [स्वराज](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%B8%E0%A5%8D%E0%A4%B5%E0%A4%B0%E0%A4%BE%E0%A4%9C" \o "स्वराज) की प्राप्ति वाला कार्यक्रम ही प्रमुख था। गाँधी जी ने ब्रिटिश सरकार द्वारा भारतीयों पर लगाये गये लवण कर के विरोध में [1930](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A5%A7%E0%A5%AF%E0%A5%A9%E0%A5%A6) में [नमक सत्याग्रह](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%A8%E0%A4%AE%E0%A4%95_%E0%A4%B8%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%AF%E0%A4%BE%E0%A4%97%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%B9" \o "नमक सत्याग्रह) और इसके बाद [1942](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A5%A7%E0%A5%AF%E0%A5%AA%E0%A5%A8) में अंग्रेजो [भारत छोड़ो आन्दोलन](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%AD%E0%A4%BE%E0%A4%B0%E0%A4%A4_%E0%A4%9B%E0%A5%8B%E0%A4%A1%E0%A4%BC%E0%A5%8B_%E0%A4%86%E0%A4%A8%E0%A5%8D%E0%A4%A6%E0%A5%8B%E0%A4%B2%E0%A4%A8" \o "भारत छोड़ो आन्दोलन) से विशेष विख्याति प्राप्त की। दक्षिण अफ्रीका और भारत में विभिन्न अवसरों पर कई वर्षों तक उन्हें कारागृह में भी रहना पड़ा। गांधी जी ने सभी परिस्थितियों में [अहिंसा](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%85%E0%A4%B9%E0%A4%BF%E0%A4%82%E0%A4%B8%E0%A4%BE" \o "अहिंसा) और [सत्य](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%B8%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%AF" \o "सत्य) का पालन किया और सभी को इनका पालन करने के लिये वकालत भी की। उन्होंने [साबरमती आश्रम](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%B8%E0%A4%BE%E0%A4%AC%E0%A4%B0%E0%A4%AE%E0%A4%A4%E0%A5%80_%E0%A4%86%E0%A4%B6%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%AE" \o "साबरमती आश्रम) में अपना जीवन बिताया और परम्परागत भारतीय पोशाक [धोती](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%A7%E0%A5%8B%E0%A4%A4%E0%A5%80" \o "धोती) व सूत से बनी शाल पहनी जिसे वे स्वयं [चरखे](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%9A%E0%A4%B0%E0%A5%8D%E0%A4%96%E0%A4%BE" \o "चर्खा) पर सूत कातकर हाथ से बनाते थे। उन्होंने सादा [शाकाहारी](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%B6%E0%A4%BE%E0%A4%95%E0%A4%BE%E0%A4%B9%E0%A4%BE%E0%A4%B0" \o "शाकाहार) भोजन खाया और आत्मशुद्धि के लिये लम्बे-लम्बे [उपवास](https://hi.m.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%89%E0%A4%AA%E0%A4%B5%E0%A4%BE%E0%A4%B8" \o "उपवास) रखे।